भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2024 का उत्तर

केरल में मानव रहित लेवल क्रॉसिंग

2024. श्री के. राधाकृष्णन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में देश भर में कुल कितने समपार हैं;

(ख) केरल सहित देश में मानवरहित समपारों (यूएलसी) का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा सभी प्रचालनरत लाइनों पर मानव रहित समपारों को समाप्त करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(घ) क्या सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है कि सभी परित्यक्त रेलवे समपार लोगों/यात्रियों के लिए सुरक्षित होंगे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) सरकार ने उन प्रयोक्ताओं के लिए क्या वैकल्पिक प्रावधान किए हैं जहां मानव रहित समपारों को समाप्त कर दिया गया है;

(च) वर्ष 2025 के दौरान देश में समपारों पर कितने लोग मारे गए और ऐसी दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है; और

(छ) रेलवे समपारों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल पर 16,499 चौकीदार वाले समपार हैं, जिनमें 378 केरल राज्य में हैं। भारतीय रेल के बड़ी लाइन नेटवर्क पर सभी बिना चौकीदार वाले समपारों को 31.01.2019 तक समाप्त कर दिया गया है।

समपारों को या तो समपार के बदले ऊपरी/निचले सड़क पुल का निर्माण करके या सीधे बंद करके (कम यातायात वाले समपारों के लिए) या साइट की स्थितियों के आधार पर नजदीकी ऊपरी/निचले सड़क पुल/समपार पर सड़क यातायात का डायवर्जन करके बन्द कर दिया जाता है।

ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्यों की स्वीकृति और निष्पादन भारतीय रेल पर एक निरंतर और सतत् प्रक्रिया है। इस तरह के कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है और गाड़ी परिचालन में संरक्षा और गतिशीलता पर पड़ने वाले प्रभावों तथा सड़क उपयोगकर्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव के आधार पर ऐसे कार्यों को शुरू किया जाता है।

भारतीय रेल पर 2004-14 की तुलना में 2014-25 (दिसंबर, 2025 तक) की अवधि के दौरान निर्मित किए गए ऊपरी/निचले सड़क पुलों की संख्या निम्नानुसार हैं:-

अवधि	निर्मित किए गए ऊपरी/निचले सड़क पुल
2004-14	4,148 अदद
2014-25 (दिसंबर 25 तक)	13,882 अदद (केरल राज्य में 121 अदद सहित)

01.01.2026 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल पर 1,14,298 करोड़ रुपए की लागत से रेलपथ पर 4,769 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुलों को स्वीकृत किया गया है, जिनमें केरल राज्य में 4,932 करोड़ रुपए की लागत से 139 अदद ऊपरी/निचले सड़क पुल शामिल हैं, जो योजना और निष्पादन के विभिन्न चरणों में हैं।

राज्य सरकार के कारण कुल 105 ऊपरी सड़क पुल विलंबित हैं। इसका ब्यौरा निम्नानुसार हैं:

क्र.सं	कारण	ऊपरी सड़क पुल (संख्या में)
1.	राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण में देरी।	37
2.	राज्य सरकार द्वारा संरेखण को अंतिम रूप देना।	63
3.	कानून और व्यवस्था/जन विरोध/अदालती मामले आदि।	2
4.	एजेंसी अभी तय नहीं हुई है	3

ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्य का पूरा होना और चालू होना कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे समपार को बंद करने के लिए सहमति देने में राज्य सरकारों का सहयोग, पहुंचमार्ग संरेखण का निर्धारण, सामान्य व्यवस्था आरेखण की स्वीकृति, भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण को हटाना, अतिलंघी जनोपयोगी साधनों का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृति, परियोजना/कार्य स्थलों के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों आदि के कारण परियोजना/क्षेत्र विशेष में एक वर्ष में कार्य करने के मौसम की समयावधि आदि। ये सभी कारक परियोजनाओं/निर्माण कार्यों को पूरा करने के समय को प्रभावित करते हैं।

रेलवे ने ऊपरी/निचले सड़क पुल के कार्य की प्रगति में तेजी लाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं:-

(i) सुचारू निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए सामान्य व्यवस्था आरेख (जीएडी) को अंतिम रूप देने से पूर्व संबंधित राज्य सरकार/सड़क स्वामित्व प्राधिकरण के साथ संयुक्त सर्वेक्षण किया जाता है।

(ii) ऊपरी/निचले सड़क पुलों के कार्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों को हल करने के लिए रेलवे और राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ आवधिक बैठकें की जाती हैं।

(iii) डिजाइन के अनुमोदन के दौरान विलंब से बचने के लिए स्पैन के विभिन्न संयोजनों, तिरछापन और रेलवे के हिस्से पर सड़क की चौड़ाई के लिए अधिसंरचना नक्शों का मानकीकरण किया गया है। इसे सार-संग्रह के रूप में जारी किया गया है, जिसे ऊपरी सड़क पुल निर्माण के लिए रेलवे लाइनों पर त्वरित योजना निर्माण हेतु अपनाया जा सकता है।

(iv) रेलवे द्वारा ऊपरी/निचले सड़क पुल के कार्यों को जहां कहीं संभव हो एकल निकाय के आधार पर निष्पादित करने की योजना बनाई गई है। यदि कोई सड़क स्वामित्व प्राधिकरण/राज्य सरकार चाहती है तो रेलवे उन्हें एकल निकाय के आधार पर कार्य निष्पादित करने की अनुमति दे सकता है।

वर्ष 2025-26 (31 जनवरी, 2026 तक) के दौरान भारतीय रेल के समपार पर केवल एक परिणामी दुर्घटना हुई है। इस दुर्घटना में 3 व्यक्तियों की दुर्भाग्यवश जान चली गई।

देश में समपारों पर रेल दुर्घटनाओं को कम करने के लिए भारतीय रेल द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

- **रेल/सड़क वाहनों के अधिक आवागमन वाले समपारों पर संरक्षा बढ़ाने के लिए सिगनलों से इंटरलॉक किया गया है। समपार गेटों पर संरक्षा बढ़ाने के लिए 31.12.2025 तक 10,097 समपार गेटों की इंटरलॉकिंग की गई है।**

- **समपारों पर व्हिसल बोर्ड, सड़क चेतावनी बोर्ड, स्पीड ब्रेकर आदि जैसे अवसंरचना की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण अभियान चलाए जाते हैं।**

- **समपारों पर सुरक्षित आगमन के लिए सड़क उपयोगकर्ताओं में संरक्षा चेतना पैदा करने के लिए जन जागरूकता अभियान/संरक्षा स्लोगन चलाए जाते हैं।**

******